T+0 और त्वरित निपटान चक्र

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

[भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)](#) द्वारा निधियों एवं प्रतिभूतियों के लिये वैकल्पिक **T+0 (उसी दिन)** तथा तत्काल निपटान चक्र के लिये एक नई प्रणाली प्रस्तावित की गई है। यह प्रणाली द्वितीयक बाज़ारों में इक्विटी नकदी खंड के लिये मौजूदा **T+1 (एक दिन का ट्रेड प्लस) निपटान चक्र का पूरक** होगी।

- SEBI [यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस](#) जैसे **व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले तात्कालिक भुगतान विकल्पों को अपनाकर** स्टॉक ट्रेडिंग में लचीलेपन के लिये आधुनिक निवेशकों की इच्छाओं को बेहतर ढंग से समायोजित करना चाहता है।

प्रतिभूति बाज़ार में निपटान चक्र क्या है?

- **निपटान चक्र में T: वित्तीय बाज़ारों के भीतर निपटान चक्रों में "T" उस दिन को संदर्भित करता है जिस दिन लेनदेन या व्यापार होता है।**
  - इस संदर्भ में "T" लेनदेन की तारीख का प्रतिनिधित्व करता है। निपटान चक्र, जिसे "T+n" के रूप में दर्शाया जाता है, लेन-देन की तारीख (T) के बाद के दिनों की संख्या निर्दिष्ट करता है जिसके द्वारा व्यापार का निपटान या समापन होता है।
- **निपटान चक्र का विकास: SEBI ने निपटान चक्र को वर्ष 2002 में T+5 से छोटा करके T+3 और उसके बाद वर्ष 2003 में T+2 कर दिया।**
  - वर्तमान में **भारत में निधियों और प्रतिभूतियों का निपटान T+1 चक्र पर** होता है, जिसे वर्ष **2021 तक चरणबद्ध** किया गया तथा **जनवरी 2023 तक पूर्ण रूप से लागू** किया गया।
- **नए निपटान चक्रों के लिये SEBI के प्रस्तावित चरण:**
  - **चरण 1: T+0 निपटान चक्र:**
    - दोपहर 1:30 बजे तक के ट्रेड/व्यापारों के लिये एक वैकल्पिक T+0 निपटान चक्र की कल्पना की गई है, जिसका लक्ष्य उसी दिन शाम 4:30 बजे तक फंड और प्रतिभूतियों का निपटान करना है।
  - **चरण 2: त्वरित निपटान चक्र:**
    - इसका लक्ष्य अपराह्न 3:30 बजे तक व्यापार के साथ, फंड/निधि और प्रतिभूतियों सहित, एक वैकल्पिक किंतु तात्कालिक व्यापार-दर-व्यापार निपटान करना है।
  - SEBI ने बाज़ार पूंजीकरण के आधार पर **शीर्ष 500 सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के लिये** तीन किश्तों **(200, 200,100) में T+0 निपटान चक्र के प्रारंभिक रोलआउट** का प्रस्ताव दिया है।
    - यह पहल बदलते भारतीय प्रतिभूति बाज़ार के अनुरूप है, जो बढ़ती **संख्या, मूल्यन/भाव तथा प्रतिभागियों** पर आधारित है।
- **लाभ:**
  - **ग्राहक:** यह विक्रेताओं के लिये **प्रतिभूतियों के लिये धन के त्वरित भुगतान** को सक्षम बनाता है तथा भुगतान हेतु बेहतर लचीलेपन की प्रस्तुति करता है।
  - **प्रतिभूति बाज़ार पारिस्थितिकी तंत्र:** त्वरित भुगतान से बाज़ार पारिस्थितिकी तंत्र की दक्षता एवं तरलता को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/t-0-and-instant-settlement-cycle